विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -१७ -०४ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज जातिवाचक संज्ञा के बारे में अध्ययन करेंगे ।

जातिवाचक संज्ञा

जातिवाचक संज्ञा की परिभाषा

जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- मोबाइल, टीवी (वस्तु), गाँव, स्कूल (स्थान), आदमी, जानवर (प्राणी) आदि। या -

जिस संज्ञा शब्द से उसकी संपूर्ण जाति का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- मनुष्य, नदी, नगर, पर्वत, पशु, पक्षी, लड़का, कुत्ता, गाय, घोड़ा, भैंस, बकरी, नारी, गाँव आदि।

जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण

गाय: गाय बोलने से पहाड़ी, हरियाणवी, जर्सी, काली, सफ़ेद, देशी, विदेशी आदि सभी गायों का बोध आता है। अतः गाय जातिवाचक संज्ञा शब्द हुआ क्योंकि गाय जानवरों की एक जाती हुई।

लड़का: लड़का बोलने से सभी तरह के व सभी जगह के लड़कों का बोध होता है जैसे – रामु, श्यामू, विकास, आकाश, पीटर, मार्टिन, डेनियल, सिध्धू, परमिंदर आदि क्योंकि मनुष्य जाती में लड़का एक ख़ास अवस्था वाली जाती हुई।

नदी: नदी शब्द का प्रयोग करने पर हमें विश्व की सभी नदियों का बोध होता हुई। यह शब्द हमें किसी विशेष नदी जैसे गंगा का बोध न कराकर सभी नदियों बोध करा रहा है।इसके अंतर्गत सभी नदियाँ जैसे – गंगा, यमुना, सरयू, कोसी से लेकर अमेज़न नदी आती हैं। अतः नदी जातिवाचक संज्ञा शब्द हुआ क्योंकि नदी जलश्रोतों की एक जाति है।

पहाड़: यह शब्द किसी एक विशेष पहाड़ का बोध न कराकर दुनिया के सभी पहाड़ों का बोध करा रहा है। अतः पहाड़ एक जातिवाचक संज्ञा शब्द है।

शहर: यह एक स्थानसूचक जातिवाचक संज्ञा है। इसके अंतर्गत तमाम शहर आएंगे – दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, मुंबई, बेंगलुरु, वाराणसी, पटना, कानपूर, लखनऊ सभी।

जातिवाचक संज्ञा के अन्य उदाहरण

- स्कूल में बच्चे पढ़ते हैं।
- बच्चे खिलौनों से खेल रहे हैं।
- पेड़ों पर पक्षी बैठे हैं।
- सड़क पर गाड़ियां चलती हैं।
- कुत्ता एक वफादार जानवर होता है।
- आजकल शहरों की जनसँख्या तेज़ी से बढ़ रही है।